अमर उजाला 08/03/2024

नारी का सम्मान जरूरी, दूसरों को भी इसके लिए करें प्रेरित

अमर उजाला अपराजिता 100 MILLION SMILES

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। नारी को सम्मान देना सभी की जिम्मेदारी है, चाहे वो घर हो या बाहर या फिर कार्यस्थल। महिला घर में गृहिणी बनकर जहां परिवार की देखभाल करती हैं, वहीं कार्यस्थल पर भी वो एक प्रेरणास्त्रोत बनकर दूसरों का मार्गदर्शन करती हैं। इसलिए महिला को देवी की संज्ञा दी गई है।

उक्त वक्तव्य वीरवार को अंबाला छावनी के जीएमएन कॉलेज में कार्यरत महिला कर्मचारियों व छात्रों ने साझा किए। उन्होंने बताया कि आज के समय में शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो,जहां महिलाओं की परचम न लहराया हो। आज महिलाएं और पुरुष कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं और देश व समाज की तरक्की में योगदान दे रहे हैं। सुषमा ने बताया कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां देवता भी वास करते है। महिलाओं का मान-सम्मान सुरक्षा तथा उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

जीएमएन कालेज में आयोजित अपराजिता कार्यक्रम में मौजूद शिक्षिकाएं और छात्राएं। संवाद

जीएमएन कॉलेज में अमर उजाला की ओर से अपराजिता कार्यक्रम में महिलाओं ने रखे विचार

डॉ रवनीत के मुताबिक नारी जीवन जीने की कला सिखाती है। नारी द्वारा कठिनाइयों में भी अपने परिवार को संभालने की शक्ति, समर्पण, सहनशीलता का कोई मुकाबला नहीं कर सकता है।

डॉ सरोज ने बताया कि महिलाओं को कार्यस्थल पर एक सुरक्षित वातावरण मुहैया कराया जाना चाहिए ताकि वो अपनी नौकरी व कार्यस्थल पर बिना किसी दबाव के कार्य कर सके। दीपा ने बताया कि महिलाएं अक्सर उत्पीड़न का शिकार होती हैं। ऐसे में उन्हें सहारे की जरूरत होती है और इसमें पारिवारिक सदस्यों का सहयोग सराहनीय योगदान देता है। डॉ आरती ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के लिए सिर्फ महिलाएं ही आगे आएं, इस प्रथा को आज के आधुनिक युग में बदलने की जरूरत है। इसके लिए आमजन विशेषकर पुरुषों को आगे आना होगा।

महक के मुताबिक गांवों में आज भी शिक्षित महिलाएं काफी कम हैं। इसलिए उन्हें पुरुष प्रधान समाज में अच्छे व बुरे की समझ नहीं होती। सरकार को इसके लिए भी कोई योजना तैयार करनी चाहिए।

जसप्रीत कौर ने बताया कि समाज में शिक्षित होना सबसे बड़ी सौगात है। शिक्षा से ही अच्छे-बुरे की पहचान होती है।